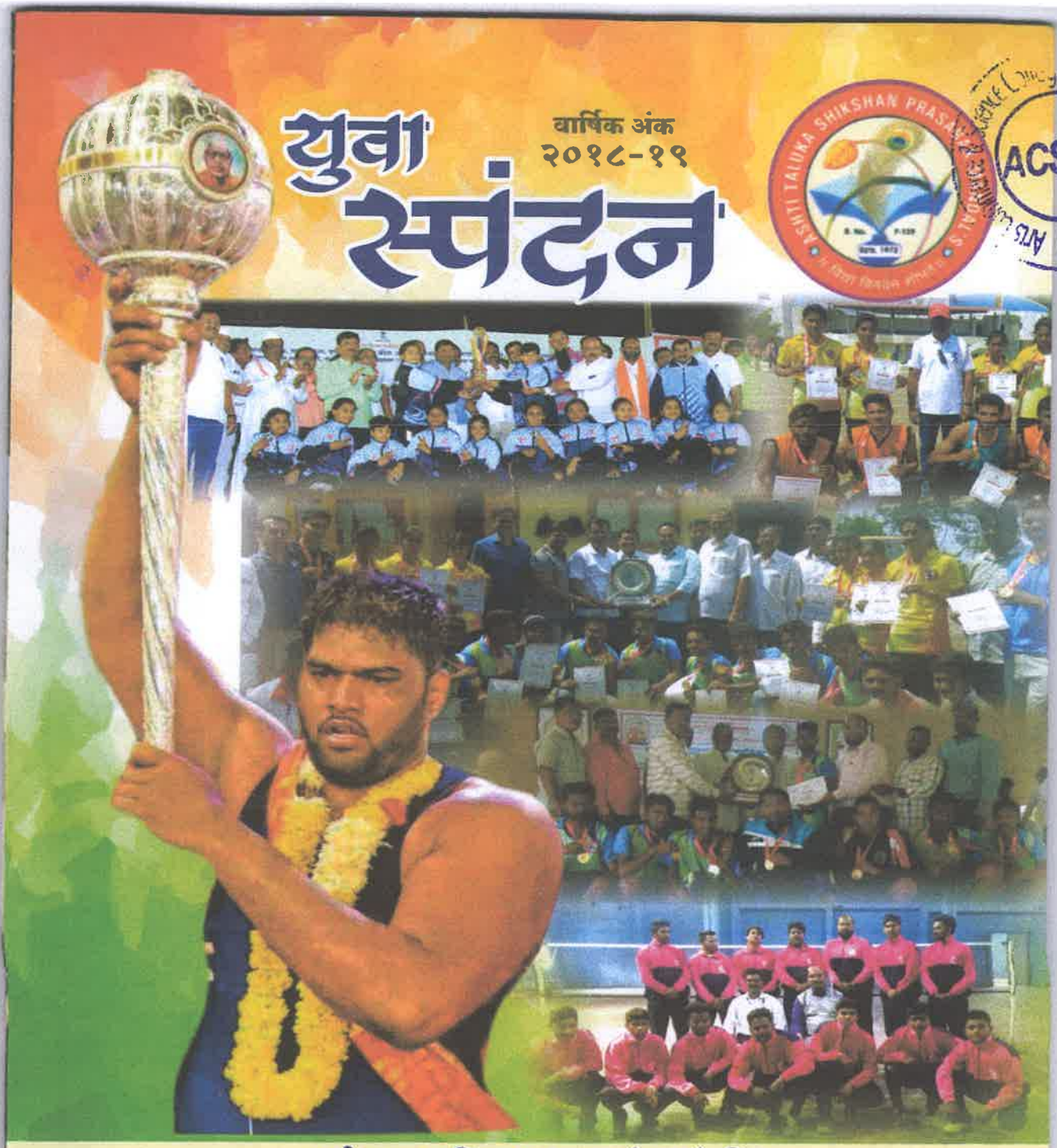

युवा स्पंदन

वार्षिक अंक
२०१८-१९

ACSCA

आष्टी तालुका शिक्षण प्रसारक मंडळ संचलित

कला, वाणिज्य, विज्ञान व व्यवसाय शिक्षण महाविद्यालय

आष्टी, ता. आष्टी, जि.बीड

(नॅक 'ब++' नामांकन प्राप्त)

(आय.एस.ओ.९००१-२०१५ ग्रीन ऑडिट)

www.acscashti.com Email : acca_123@rediffmail.com

PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
College Ashti Tal.Ashti Dist.Beed

युवास्पंदन

वार्षिक अंक २०१८–१९

* अनुक्रमणिका *

* मराठी विभाग

१.	पारंबी ग्रंथातील मनोगत	– प्रा. मंगेश शिरसाठ –प्रा. निवृत्ती नानवटे	१०
२.	डॉ.शरद व्यवहारे यांच्या जीवनाची जडण–घडण	– प्रा.डॉ.राजाराम सोनटक्के	
*	कविता		१२

* हिंदी विभाग

३.	आज की भारतीय नारी	कु. कदम पूनम बाळू	१९
४.	आँचलिक उपन्यासकार फणीश्वरनाथ रेणू और फिल्म जगत	कु. पठाण परवेझ मुस्ताक	२२
*	कविता		

* English Section *

5.	My College : pre NAAC and post NAAC	- Miss Akanksha Khandave	26
*	Poems		

* अहवाल विभाग *

PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
College,Ashti Tal.Ashti Dist Beed

Arts Commerce & Science College, Ashti, Tal. Ashti Dist. Beed (MS)
ACSCA

क प्रा. राम बोडखे
ण पुरस्कार देतांना.

विद्यालयातील
तांना.

ध्यापक व विद्यार्थी

जेते.

श्रध्दास्थान

कुशल मार्गदर्शक

इंजि. किशोर (नाना) ढवळे

अध्यक्ष - आष्टी तालुका शिक्षण प्रसारक मंडळ, आष्टी

PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
College Ashti Tal Ashti Dist Beed

आष्टी तालुका शिक्षण प्रसारक मंडळ, आष्टी

⁎ संचालक मंडळ ⁎

Arts Commerce & Science College, Ashti, Tal. Ashti, Dist. Beed (MS) ACSCA

श्री. विश्वनाथ लहानु शिंदे
(उपाध्यक्ष)

श्री. अतुलशेठ मेहेर
(सचिव)

श्री. गणेश माधवराव पिसाळ
(कोषाध्यक्ष)

श्री.दिलीप शांतीनाथ वर्धमाने
(सहसचिव)

श्रीमती रत्नमाला बन्सीधर हंबर्डे
(विश्वस्त)

श्री. पठाण सुभान रसुलखाँ
(विश्वस्त)

श्री. शेख तय्यब अकबर
(संचालक)

श्री. महेश कुंडलिक चवरे
(संचालक)

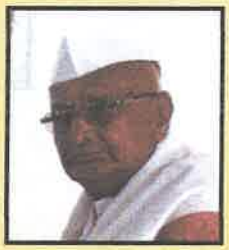

श्री. गोविंद नारायण घोडके
(संचालक)

डॉ.प्रताप बलभीम गायकवाड
(संचालक)

श्री. सुरेश थेटे
सभासद

श्रीमती सुलभा खेडकर
सभासद

सौ. ज्योती अतुल मेहेर
सभासद

सौ. स्मिता किशोर हंबर्डे
सभासद

PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
College.Ashti Tal.Ashti Dist.Beed

महाविद्यालय प्रशासन

प्राचार्य डॉ. सोपानराव निंबोरे

डॉ. सुहास गोपणे
उपप्राचार्य वरिष्ठ विभाग

प्रा. अविनाश कंटले
उपप्राचार्य कनिष्ठ विभाग

प्रा. अशोक भोगाडे
पर्यवेक्षक

प्रा. सुनिल मुटकुले
ग्रंथपाल

डॉ. संतोष वनगुजरे
क्रीडा विभाग प्रमुख

श्रीमती सरस्वती जाधव
कार्यालयीन अधिक्षक

PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
ege Ashti Tal.Ashti Dist.Beed

Arts Commerce & Science College Ashti Tal.Ashti Dist.Beed(M.S.) ACSCA

महाविद्यालयाचे गुणवंत विद्यार्थी

रवि गिते
विद्यार्थी संसद सचिव

कांबळे अशोक
(१२ वी कला प्रथम)

आजबे प्रतिक्षा
(१२ वी वाणिज्य प्रथम)

हंबर्डे पूजा
(१२ वी विज्ञान प्रथम)

शिंदे अक्षय
(१२ वी व्य.शि.प्रथम)

मुथ्था राहुल
(IIT पात्र)

शिनटे आदेश
(IIT पात्र)

कोल्हे आश्विनी
(उ.शि.८०,००० शिष्यवृत्ती)

सय्यद वसीयुद्दीन
(उ.शि.८०,००० शिष्यवृत्ती)

माने स्नेहल
(BCA III प्रथम)

शिंदे आश्विनी
(B.A III प्रथम)

रोकडे अजय
(B.Com. III प्रथम)

गळगटे कोमल
(B.Sc. III प्रथम)

वीर रंजना
(M.A II हिंदी प्रथम)

वर्धमाने निखील
(M.A II मराठी प्रथम)

पोकळे विशाल
(M.A II इतिहास प्रथम)

PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
College,Ashti Tal.Ashti Dist Beed

मध्यप्रदेश येथील महंत राज्यमंत्री कॉम्प्युटर बाबा यांच्या महाविद्यालयाच्या भेटी प्रसंगी.

आनंदवाडी येथील जेष्ठ समाजसेवक प्रा. राम बोडखे यांना ॲड.बी.डी. हंबर्डे समाजभुषण पुरस्कार देतांना.

श्रध्दा

आ.अमरसिंह पंढीत यांच्या महाविद्यालयाच्या भेटी प्रसंगी.

भुम, परांडा आ. राहुल मोटे महाविद्यालयातील वृक्षांना जलसंजीवनी देतांना.

किशोर नाना हंबर्डे यांच्या वाढदिवसानिमित्त रक्तदान शिबीर

राष्ट्रीय एकता दौड मध्ये धावतांना प्राध्यापक व विद्यार्थी

ॲड.बी.डी. हंबर्डे आंतर महाविद्यालयीन राज्यस्तरीय वक्तृत्व स्पर्धेत विजेते.

Arts Commerce & Science College, Ashti, Tal. Ashti
ACSCA

PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
College Ashti Tal.Ashti Dist Beed

Arts Commerce & Science College Ashti Dist. Beed (M.S.) ACSCA

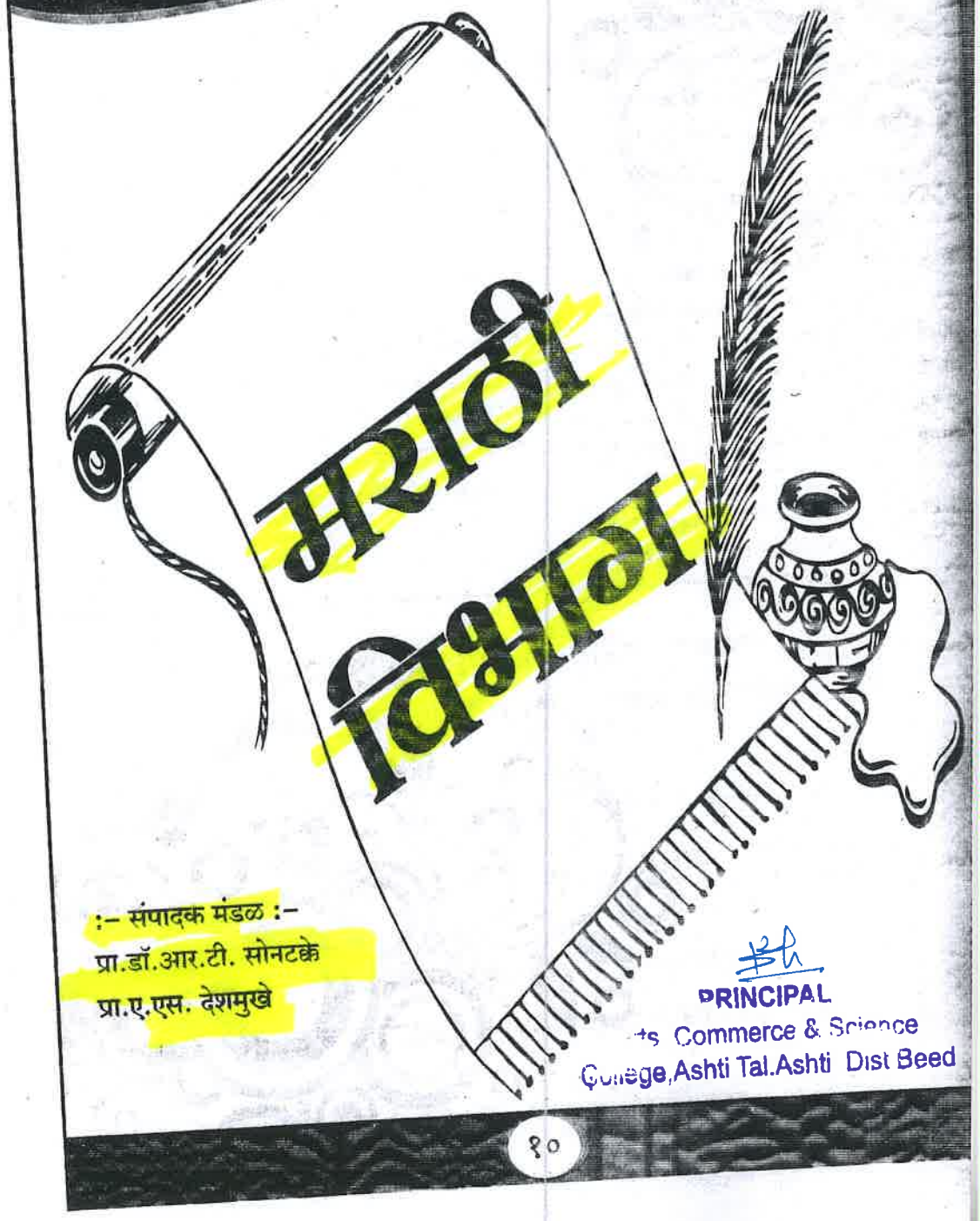

मराठी विभाग

:- संपादक मंडळ :-

प्रा.डॉ.आर.टी. सोनटक्के

प्रा.ए.एस. देशमुखे

PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
College,Ashti Tal.Ashti Dist Beed

आयुष्य

...र सोबत असून
... कधी बसत नाही
... सात राहून आम्ही
... दिसत नाही
हरवला तो आपसातला
जिव्हाळ्याचा संवाद
एकमेकास दोष देऊन
नित्य चाले वादविवाद
... धावतो आहे
... कळत नाही
... पाऊल कधी
... वळत नाही
इतकं जगून झालं पण
जगायला वेळ नाही
जगतो आहोत कशासाठी
काहीच कसा मेळ नाही

...ान : साबळे अश्विनी अशोक
११ वी (विज्ञान)

मैत्री म्हणजे काय ?

सुखात भर घालणारी व
दुःख कमी करणारी असते मैत्री,
कधी सूर्यासारखी तेज तर कधी
चंद्रसारखी शीतल असते मैत्री,
कधी रडवून हसवणारी तर कधी
हसवून रडवणारी असते मैत्री,
कधी फुलासारखी कोमल तर कधी
काट्यासारखी तीक्ष्ण असते मैत्री,
कधी विश्वासाची साथ तर कधी
मदतीचा हात असते मैत्री,
कधी चिखलात राहून कमळासारखी
फुलणारी असते मैत्री,
कधी वाऱ्यावर झुलणारी तर कधी
पावसात भिजणारी असते मैत्री,
मैत्री फक्त कॉलेज आणि शाळांपूरती
मर्यादित नसते,
ती आयुष्यात घर करून राहणारी
प्रेमळ आठवण असते मैत्री....

पायल - देवयानी
११ वी (विज्ञान)

PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
Dist Beed
Arts Commerce & Science College, Ashti, Tal. Ashti Dist. Beed (M.S.)

हिंदी विभाग

:- संपादक मंडळ :-

प्रा.जे.एम. पठाण

प्रा.कु.एस.एम. खुडे

प्रा. सय्यद अल्लाउद्दीन

Arts Commerce & Science College, Ashti, Dist. Beed (M.S.) ACSCA

PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
College Ashti Tal.Ashti Dist Beed

आज की भारतीय नारी

अबला जीवन, हाय तेरी कहानी,
आँचल मैं हैं दूध और आँखों में पानी !

दुनिया में सबसे प्यारा और सबसे न्यारा देश है उसका नाम हर कोई जानता है वह भारत देश है । ऊपर की पंक्तियाँ मैथिलीशरण गुप्तजी की है, जिसमें उन्होंने नारी के जीवन के बारे में बताने की कोशिश की है । भारतीय नारी का इतिहास तो हर किसी व्यक्ति को पता होगा वह एक जमाना था कि जब औरतों का घर से बाहर निकलना भी एक गुनाह माना जाता था । वहाँ भारतीय औरतों को चुल्हा और बच्चों के सिवा और कोई काम करने की आजादी नहीं थी । जब कोई औरत घर से बाहर निकलती थी तो उसे बुरखा पहनके बाहर निकलना पडता था ।

उस वक्त शुरू हुई जंग को आज की लड़कियों ने अपना खुदका एक वजूद बना लिया है आज की नारी हमें हर एक अेज में पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर काम करते दिखाई देती है । भारत में हमेशा लड़कियों को लडकों से कम समझा जाता था । लेकिन आज लड़कियों ने यह साबित कर दिखाया है कि वह भी किसी से कम नहीं । हम उस महान राजा को तो जानते है लेकिन उनके पीछे भी किसी का है वह है उनकी जिजामाता । उन्हें तो हर कोई जानता है, उनके संस्कारों को उनके जज्बात को जो हमें जीने की एक नई राह दिखा देते है ।

अब मैं भारत के ऐसे औरतों की जिंदगी के ऐसे लमहों को आपके के सामने बताने की कोशिश करूंगी । भारत की पहिली इन्स्पेक्टर महिला किरण बेदी इनको तो हर एक बच्चा जानता है, क्योंकि उन्होंने गुनाह और जुल्म करनेवाले लोगों को भी ऐसा जवाब दे दिया कि आज तक उन्हें कोई भूल नहीं पाया । क्योंकि सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि किरणजी ने इंदिरा गांधी को पहले हथकडी लगाकर उन्हें हवालात में बंद किया था । जब वह छोटी सी थी तब उन्हें दौडने का बहुत शौक था । उसी तरह भारत के राष्ट्रपति पद पर जो एक महिला विराजमान थी वह थी प्रतिभाताई पाटील । लेकिन इस बात से कोई

ACSCA Arts Commerce & Science College Ashti Dist. Beed (M.S)
PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
Ashti Tal Ashti Dist. Beed

मुकर नहीं सकता कि लडकियाँ खुद का काम जिम्मेदारी, कामयाबी और ईमानदारी से निभाती है।

भारत को जब स्वतंत्रता नहीं मिली थी तब इस स्वतंत्रता संग्राम में अपने खुन को बहा दिया । जिसने बचपन में ही लढाई करना सिखी थी। गोरे लोगों को वो किसी भी हालत में मुँह तोड जवाब देने का मौका ढुँटती रहती थी। लेकिन उनके पिताजी ने उन्हें हमेशा रोकने की कोशिश की लेकिन उनके अंदर स्वतंत्रता की भावना इतनी भरी थी कि उनके बुलंद इरादों के सामने उनके पिता का इन्कार टिका न रहा। 'मेरी झाँसी नहीं दूँगी' ऐ से शब्द जब याद आते है तब हमें सिर्फ एक नाम याद आता है और वह है झाँसी की राणी लक्ष्मीबाई, हर बार दुश्मनों को मुँह तोड जवाब दिया। जब उनकी वे यादें आती है तब रोंगटे खडे हो जाते है। भारत के लोग हमेशा नारियों को बहुत ही छोटा समझते है।

एक लडकी को उसके जीवन में हमेशा उसके रूप तथा कर्तव्य के साथ बदलना पडता है, क्योंकि वह पहले तो एक बच्ची उसके बाद लडकी, उसके बाद पत्नी, उसके बाद माँ और बहन के रूपों में बदलना पडता है। लेकिन फिर भी हममें कहीं ना कहीं कमियाँ तो रहती ही है, या फिर लोग कमियाँ निकालते हैं।

भारत की पहली अवकाशयानी को तो मैं अब तक नहीं भूली हूँ। आज वो हमारे बीच नहीं है लेकिन जब भी उनकी याद आती है तब आँखों में पानी आ जाता है। उनका नाम है कल्पना चावला । उन्हें बचपन में गुडियों के साथ खेलना पसंद नहीं था बल्कि वह सायकल पर सैर करती थी। उनका सपना था कि वह अवकाशयानी बने। बहुत मेहनत और विश्वास के साथ उन्होंने अपना सपना तो सच कर दिखया लेकिन सिर्फ २ मिनट की देरी ने उनकी जिंदगी को, उनकी खुशियों को तबाह कर दिया । उनकी ऐसी कामयाबी को कोई चाहकर भी भूल नहीं सकता।

लेकिन लडकियों की उन्नती भी किसी के अथक प्रयास से ही शुरू हुई।

फुलो को फुल पसंद है,
शायर को शायरी पसंद है,

PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
College,Ashti Tal.Ashti Dist Beed

इन्सान को इन्सानीयत पसंत है,
हमें तो क्या लेना लोगों की पसंद से ?
हमें तो आपकी ये गगनभरी उडान पसंद है ।

ऊपर की पक्तियाँ मैंने उनके कामयाबी के लिए कही है, जो है सावित्रीजी और महात्मा फुले। इनकी वजह से आज लडकियों की हर एक क्षेत्र में उन्नती दिखाई दे रही है । उन्होंने अगर लोगों का जुल्म और अत्याचार न सहा होता तो आज सब लडिकियाँ स्कूल में नहीं घरों में दिखाई देती । जब भी सावित्रीजी घर से बाहर पढाने के लिए निकलती थी तब लोग उनके शरीर पर गोबर फेकते थे ताकि वह लडकियों को न पढ़ा सके । लेकिन जितना वो लोग उन्हें यह काम करने पर सताते थे उतना ही उनका आत्मविश्वास और भी बढता जाता था। सावित्री जी को पहले उनके पति यानी महात्मा ज्योतिबाजी घर में पढाते थे और फिर बाद में वह लडकियों को पढाती थी । जब उन्होंने पहली पाठशाला खोली तो उनके स्कूल में सिर्फ और सिर्फ आठ लडकियाँ पढती थी ।

उस वक्त जो पौधो उन्होंने लगाया था, आज वह पौंधा एक विशाल वृक्ष में बदल गया है और उस वृक्ष के लिये सारा भारत इस तरह से एक जूट हो गया है जैसे कोई किनारा सागर के साथ एकजूट होता है । आज लोगों ने जो ज्ञान का भांडार खोला है, उसकी मिसाल है सानिया मिर्झा । आज उसने पूरी दुनियाँ में उसकी एक अलग पहचान दिखाई है । सानिया मिर्झा जब खेलती हैं तब उनका वह खुद पर भरोसा और साथ ही भारत की जीत के साथ उनके चेहरे पर हमेशा दिखाई देता है ।

आज स्कूल में लडकों से ज्यादा लडकियाँ पढती हुई दिखाई देगी । आज भारत एक ऐसा देश है जिसकी अपनी खुद की पहचान और देशों से बहुत ही अलग है । बरसों पहले जो सपना हर लडकी ने देखा था आज वह पूरा होने के साथ साथ उसे अलग पहचान मिल गई है । आज लडकियाँ एक मजहब अपनाती हुई चल रही है । " कल करे सो आज कर आज करे सो अभी । "

कु. कदम पूनम बाळू
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

ACSCA
PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
College,Ashti Tal.Ashti Dist Beed

Arts Commerce & Science College, Ashti, Tal. Ashti, Dist. Beed ACSCA

आँचलिक उपन्यासकार फणीश्वरनाथ रेणू और फिल्म जगत

हिंदी कथा साहित्य में शुध्द आँचलिकता (भू-प्रदेश) के दर्शन करानेवाले रेणूजी का सम्बन्ध फिल्म जगत से भी जूडा हुआ था। ऑचलिक सर्जना में समस्त अंचल विशेष का चित्र उपस्थित करना ही कथाकार का उद्देश्य होता है। उस अंचल (भू-प्रदेश) की धरती, खेत-खलिहान, नदी-नाले, पशु-पक्षी, हल-बैल, भाषा, लोकगीत, मेले और त्यौंहार तथा अंचलवासी व्यक्तियों का सम्पूर्ण क्रिया व्यापार अपनी समग्रता में रूपायित किया जाता है। पात्रों के साथ उनका परिवेश भी मानो बोलने लगता है।

फणीश्वरनाथ रेणू की कहानी 'मारे गए गुलफाम' ' तीसरी कसम ' नाम से फिल्म बनाई गई। जिसे बासू भट्टाचार्य ने निर्देशित किया था। निर्माता के रूप में गीतकार शैलेन्द्र ने इसका निर्माण किया था। जिसमें राजकपूर और वहिदा रहेमान ने मुख्य भूमिकाएँ निभाई थी। यद्यपि हिंदी कहानीकारों की कहानियों पर फिल्मे बनाना कोई नयी बात नही है, लेकिन जाने क्यों रेणू की 'मारे गए गुलफाम' कहानी पर बनी ' तीसरी कसम ' फिल्मे जितनी चर्चित रही, उतनी अन्य कहानियों पर बनी फिल्में अपना कोई विशिष्ट स्थान नही बना पाई।

साहित्यिक कृति पर निर्मित फिल्म में रचना का केंद्र बिन्दु विषयान्तरित न होने पाये, यही कृतिकार के साथ न्याय करना है ; ' तीसरी कसम ' में यह अभिव्यक्ति सहज रूप में हुई है। निर्माता शैलेंद्र ने इस बात का पूरा ख्याल रखा कि लेखक की इच्छा के विरूध्द फिल्म में अनावश्यक छांट-कांट या बेकार की ठूंस-ठांस न होने पाए। इस फिल्म में राजकपूर और वहिदा रहेमान आदि पात्रों ने हीरामन - हिराबाई आदि पात्रों का कुशल अभिनय कर उन्हें अमर कर दिया। हीरामन की सहजता, भावुकता और ग्रामीण भोलापन आदि विशेषताएँ राजकपूर के अपने सहज अभिनय में झलकी है। हिराबाई के भावगत एवं रूपगत सौंदर्य का वहिदा रहेमान ने बडी कुशलता से निर्वाह किया है। वहिदा रहेमान के अभिनय से स्वयं रेणू इतना प्रभावित हुए कि उन्होंने अपनी

PRINCIPAL
Arts, Commerce & Science
College Ashti Tal.Ashti Dist Beed

ो का नाम ही वहिदा रख लिया।

फिल्म निर्माता ने इसमें ग्रामीण परिवेश ा ही चरित्रांकन नहीं किया, अपितु इस बात । भी ध्यान रखा कि पात्रों द्वारा प्रयुक्त भाषा ा स्तर भी परिवर्तित न होने पाये। इस ावधानी के कारण संवादों में स्वाभाविकता ौर कथानक में भी विश्वनीयता आ गई।

'सजर रे झूठ मत बोलो खुदा के पास ाना है' यह गीत हिरामन के चरित्र को भी ष्ट करता है। इसी तरह अन्य साथी गाडीवानों की मस्ती और आनंद को 'चलत मुसाफिर मोह लिया रे पिंजडे वाली मुनिया' नामक गीत सहजता से व्यक्त करता है। हिराबाई के नृत्य एवं गीत नौटंकी कम्पनी के वातावरण को सजीवता प्रदान करते हैं।

रेणू की मूलकथा से फिल्म की पटकथा में किसी तरह का विरोध, टकराव या परिवर्तन नहीं आ पाया है, यही फिल्म की सबसे बडी उपलब्धि है।

- पठाण परवेझ मुस्ताक
बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

स्वराज्य हा माझा जन्म सिध्द हक्क आहे.
आणि तो मी मिळवणारच

– लोकमान्य टिळक

आराम हराम आहे

– पंडीत जवाहरलाल नेहरू

तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हे आझादी दुंगा

– नेताजी सुभाषचंद्र बोस

जय जवान, जय किसान

– लाल बहादुर शास्त्री

Arts, Commerce & Science College, Ashti, Tal. Ashti, Dist. Beed
ACSCA
PRINCIPAL
Arts, Commerce & Science
College Ashti Tal. Ashti Dist Beed

ENGLISH SECTION

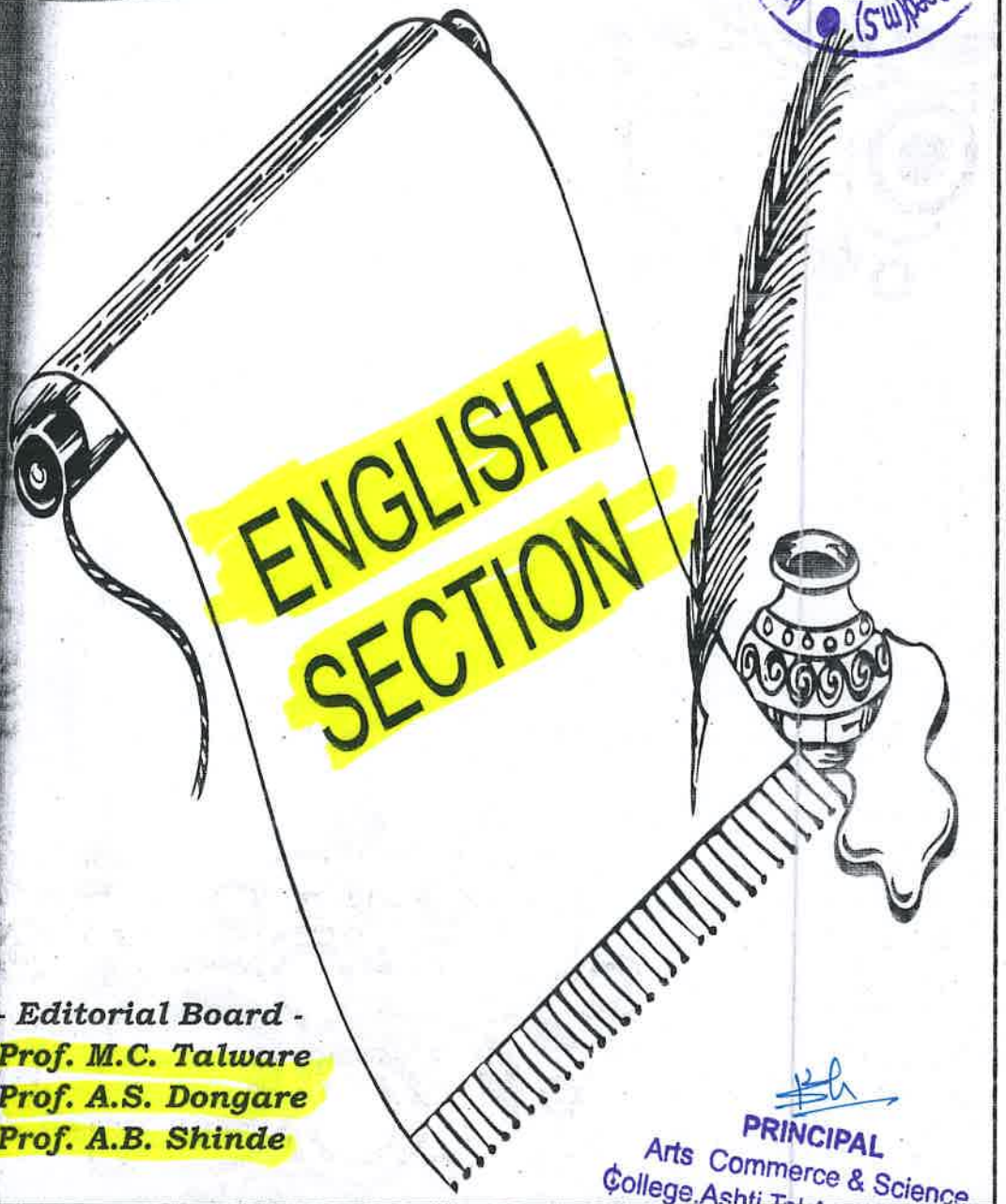

- Editorial Board -
Prof. M.C. Talware
Prof. A.S. Dongare
Prof. A.B. Shinde

PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
College, Ashti

My College : Pre. NAAC And Post NAAC

I am very proud of my College. Its the pioneer educational institute not only in Beed district but in Marathwada region. established in 1972. Initially it was a very small infrastructure but now it is spread over 11 acres of huge area on national highway just opposite to tahshil office Ashti.

I witness the visit of NAAC Peer team in College for reacreditation on 21st, 22nd and 23rd November 2016. In the first week of December our college was awarded B++ grade with 2.78 CGPA. This is a great achievement for a college in rural area. The academic development of the college. we feel and experience as a student, but the external development can be seen and noticed by our parents and outside visitors.

The entire administrative block was shifted from old building to new building in June 2017. Its so convenient and fruitful that we can easily get. our office work done in the recess of 10 minutes. It proved helpful not only to the students but to the principal and staff as well. The seperate windows for variety of forms, scholarships and schemes provide comfort and easeness. Standing and waiting in the queue sounds enjoyable as it gives shade and shelter in the porch. The principal's cabine, administrative office, staff room, lecture halls and laboratories are grand and spacious, yet adjusant.

The library building remains in old campus which will be shifted to a new campus in a year or two. The department of physical education is shifted to old campus and it looks like detached from academic and administrative blocks. It is full fledge grand office with quality furniture. Gymnasium hall is wide enough to do all the exercises and activities. As it gets at distance from academic activities, lectures don't get disturbed by us and vice versa. Physical director Dr. Santosh Wangujare keeps a watch and guides us wherever necessary.

Arts Commerce & Science College, Ashti Tal. Ashti, Dist. Beed
ACSC

PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
College Ashti Tal.Ashti Dist.Beed

Last Saturday of every month s observed as a pollution free day. Ve don't bring bikes this day. It gives sound free, pollution free atmos-here in the entire campus. With hese infra structural developments, he staff is involved in academic and esearch activities. Books are ublished by teachers. Ph.D. degree s getting awarded to our teachers and our staff gets representation in various bodies in the university. The change is only a permanent thing. Everything changes every now and then. External changes are noticed but internal changes are more important. Most of the time external and internal changes are complimentary. Appearance make first impression and hence this year we have more admissions in almost all classes.

I love my college a lot. In two years, I will leave the college but I will be a member of Alumni Association life time.

Miss. Akanksha Khandave
B.Sc. I Year

My Mother.

I Can't live without You.
I Can't imagine my Life without you
My dream is not Complete.
I never feel happy without you.
only just I want to
wish you happy Valentine day
My Mother.

Friendship

Friends are like balloons.
Once you let them,
go you can't get them back.
So, I go on to tie you
to my heart. So that
I never lose your friendship.

Ghodke Sagar (XII Science.)

My Mother.

One + One is Two
Your dosti is True
two + two us Four
Your dosti is More
three + three is Six
Your dosti is Fix
four + four is Eight
Your dosti is Great

Life is test
Don't time Waste
but one test
all the best

Kulwade Aishwarya Dattatray
(XI Science.)

Arts Commerce & Science College, Ashti ACSC
PRINCIPAL
Arts Commerc... Science
...ge Ashti Tal...

The Poet Narayan Surve

Crores of infants coming
into the world,
You were one of them,
overlooked by parents.
One needs to have a name of someone
if not mother or father.

It is called a sin and
a curse of immorality.
It's a lifetime botheration,
a meeting of the two.
A baby was crying and
calling mother to the soil.

The Mother left you in a ditch after
carrying you in a womb for
nine months.
Did not let you touch her breasts,
not caressed and sacrificed.
Don't know why.

The woman became a mother.
lift up to shoulder.
The labors in ditch might have
seen a sun of pity and
pain in the darkness.

A speaker of labors,
downtro ddens,
and a painter of the people
world Face.

You-the sculpture of words of the
workers, illiterate, victims of riots,
of those thrown out by the world
in the dirt.

Bravo ! you were not fallen from the
Sky, you were not risen from the soil.
Nor getting any form of prophet
You are a storm of fire of words.

You said, " life looks beautiful as a
cover of a book, smooth,
nice and healthy
Now pronounces like bare bodies and
skeleton by the butcher."

You said, "You were not alone but with
the ages. Be alert, it might be a storm
starting I am labour, a naked sword.
Beware literates,
I am going to commit a crime.

How these lines have made a home
in heart. Wish to sacrifice life for
every word of a poem.
Survey Narayan ! with to sacrifice
life for every word wish of a poem.

A Poem of Prof. Sayyad Allauddin
Translated into English by
Mr. Nagesh Rakshe (B.Com. I Year)

PRINCIPAL
Arts, Commerce & Science
College Ashti Tal Ashti Dist Beed

केरळ पुरग्रस्त मदत फेरीप्रसंगी

वॉटरकप स्पर्धेनिमित्त श्रमदान करतांना विद्यार्थीनी

भाजपा महासचिव संजय जोशी यांच्या
महाविद्यालय भेटीप्रसंगी

राज्यस्तरीय मनसुखलाल झुंबरलाल मेहेर
विनोदी काव्यवाचन स्पर्धा उद्‌घाटन प्रसंगी

ग्रंथ प्रदर्शन

महाविद्यालयीन युवतींची आरोग्य तपासणी

लोकशाही निवडणुका व [illegible]
मार्गदर्शन [illegible]

मा. आमदार सुरेश आण्णा धस यांची विधानपरिषद् सदस्य
निवड झाल्यानिमित्त सत्कार करतांना

Arts Commerce & Science College Ashti, Tal. Ashti, Dist. Beed (ACSCA)

PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
College Ashti Tal Ashti Dist Beed

PRINCIPAL
Arts Commerce & Science
College,Ashti Tal.Ashti Dist Beed